

हिंदी-बोर्ड ऑफ़ गुरुजी की बैठक दिनांक ५-२-९५ दिन बुधवार

हिंदी-बोर्ड कार्यालय में उपस्थित ३०० की सीताराम मारवा, जयपुर

हिंदी-बोर्ड ऑफ़ गुरुजी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ, जिसमें उपस्थित

गण्य उपाध्यायों के नाम, व कार्यवाही निम्न प्रकार है।

१. श्री सीताराम मारवा	अध्यक्ष
२. " राजेंद्र प्रताप सिंह	मान्य उपाध्याय
३. " राम अच्युत मारवा	" "
४. " रामनाथ झा	" "
५. " लक्ष्मणलाल गुप्त	" "
६. " लक्ष्मणलाल मारवा	प्रतिनिधि संघ
७. " डा० सुनील अंतर्जाल	मान्य उपाध्याय
८. " नरेंद्र लाल गुप्त	" "
९. " श्री भैरव दत्त	" "
१०. " राजी मोहन पाली	" "
११. " गणेशनाथ रायत	" "
१२. " मुहम्मद अहमद	" "
१३. " रविंद्र प्रताप सिंह	" "
१४. " सुबोध साहू	" "
१५. " मिश्र जियमल सुप्री	" "
१६. " अनवरत उर्फ भद्रका जी	" "
१७. " रामनाथ	न्यायित उपाध्याय
१८. " मेलाशरण मोदी	मान्य उपाध्याय

(निष्पन्न प्रमाण) -

आध्याय: आपी मारी,

(निशेष वैतन मार)

हिंदी-बोर्ड, ऑफ़ गुरुजी

५.२.९५

सीताराम मारवा

(सीताराम मारवा)

अध्यक्ष,

हिंदी-बोर्ड, ऑफ़ गुरुजी

५.२.९५

प्रस्ताव

1. पिछली वेब दिनांक 28.1.84
व दिनांक 3.2.84 की आपातकालीन
वेब की कार्यवाही करते हुए

निष्पत्ति

पिछली कार्यवाही
परीक्षित विधिक नोट
एन में भी गयी
जिसकी पुष्टि एवं समीक्षा
है की गयी चर्चा
में दोषन की मेहरी
माल उभाए, ने जहाँ
जलहंमोजन निमात को
की प्रविष्टा में 175/- कि
हो चौहत्ता रुपये जमा
किए एवं मीट लगाने
की बात कही, इस निष्प
पर डा. सुनील जीवास्तव,
श्री वावलगाउल, राजी मीट
एलीम, श्री राम जया (माल)
माल उभाए को का का
चर्चा की गयी, फल में
वोर्ड एवं उपमोलाओं के
हितों को ध्यान में रखते
हुए, सर्वसम्मति से यह
स्वीकृत किया गया कि
200/- का है हस्ता जमा
काफा जाय तथा उपमोला
है मीट लगाना जाय, तथा
उनके अवेच जलहंमोजन
को वेच किया जाय।

चर्चा को बढ़ते हुए
हैं प्रेहरी हस्त, व डा. सुनील
जीवास्तव, सभाएद ने यह
प्रस्ताव रखा कि निम्न

निर्णय -

मातृपुत्र का पुत्रान्तरांतर
ऐसे विधियों के तहत मैसा जमा
किया है, उन्हें पूर्व शर्तों के अनुसार
अनुमोदित या विन्यास किया जाय
जिसे पर आम सहमत पायी गयी।

वि.स. बोर्ड जोरु के परिषदीय उपाधित मान्य समारोहों के
द्वारा (दिनांक 8.2.83 के अन्तर्गत) समझा पाये का वापिसाली-क्रायेकी
के अन्तर्गत में) बोर्ड द्वारा किसे गये श्री हनुमन्तरा पादेष, ने परिषद
की समझ समारोहों द्वारा जो सहयोग,
समर्पण, बोर्ड के एव जनता के
हित में दिया गया है, उसके प्राप्ति
आमा व्यक्त किया, तथा परिषद
के समारोहों को बचाये दी, हनु
मान का अक्षर श्री हनुमन्तरा,
के द्वारा जनहित के किसे गये
कार्य, सहयोग एवं मातृपुत्र
पर हुए उल्लेखित कार्यों के प्राप्ति
आमा व्यक्त करते, हुए, बचाये दी
उपाधित मान्य समारोहों के

विशेषकर श्री अलहरजा, उर्फ
"भद्रप्राजी" ने परिषद के कार्य
काल में जमाहित एवं बोर्ड हित
में निरन्तर किसे गये सेवाओं
नाम में समझ, पानी, प्रकार, जमी
आवरण सेवाओं की अनुमित व्यवस्था
किसे जाने पर बोर्ड के अक्षर,
मातृपुत्र श्री हनुमन्तरा, के
उल्लेखित कार्यों की श्री श्री प्रकार
करते हुए बचाये दी।

अंत में अक्षर श्री द्वारा

दिनांक 4-2-84

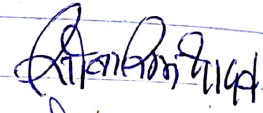
प्रस्ताव :-

निर्णय :-

सभी मान्य समस्तों एवं
आपेक्षाही-आधिकारी, तथा
कर्मचारियों के कर्म के
लगन, सहयोग, एवं प्रोत्साहन
कार्यों की सहायता करने
हुए, सभी को लक्ष्य की
तथा अपना हाथों के
एन-हाथीवाद भी दिया।



(रामचंद्र जैसवाल)
आपेक्षाही-आधिकारी,
(विशेष वेंतनमल)
सिटी-बोर्ड जेनरल
4-2-84



(श्री. रामचंद्र जैसवाल)
अध्यक्ष,
सिटी बोर्ड जेनरल
4-2-84

अवकाश - महेशचरण
आपेक्षाही-आधिकारी/प्रोत्साहन,
सिटी-बोर्ड जेनरल